nt>

Title: Requested the Minister of Parliamentary Affairs to arrange for a discussion/debate on the submission of the Subrahmanyam Committee Report on Kargil war.

श्री जे.एस.बराड़ : सभापति महोदय, माननीय सदस्य मेरी बात को सुनने के बाद शायद थोड़े वक्त के लिए खामोश हो जाएं, क्योंकि मैं उन्हीं की भावनाओं को प्र ाकट करने जा रहा हूं। मैं यह मुद्दा उठाना चाहता हूं कि हमारे ऑनरेबिल संसदीय कार्य मंत्री जी यहां उपस्थित हैं।

मुद्दा यह है कि डेढ़ वर्ा पूर्व हमारे देश ने और देश के वीर जवानों ने जो महान कारगिल का युद्ध लड़ा जिसमें 600 से अधिक सैनिक शहीद हुए और 1500 से ज्यादा सैनिक घायल हुए, उसके बारे में सरकार ने एक सुब्रहमण्यम समीक्षा कमेटी रिपोर्ट सदन में रखी है। डेढ़ वर्ा बीत जाने के बाद इतने महत्वपूर्ण मुद्दे पर जिसके लिए 17000 फुट की ऊंचाइयों पर हमारे जवानों ने बलिदान दिया और इतनी बड़ी शहादत दी, आज उनके परिवार संसद की तरफ इसलिए देख रहे हैं कि क्या कारगिल मुद्दे की रिपोर्ट पर भी हिन्दुस्तान की संसद बहस नहीं कर सकती? मैं प्रमोद महाजन जी से विनती करना चाहता हूं कि कारगिल समीक्षा समिति रिपोर्ट पर बहस कर वाई जाए ताकि इस मुद्दे पर जो बहुत बड़ी चिन्ता देश में है, वह सारे देश को पता लगे।

मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि 1962 के इंडो-चाइना वार में जिस तरह नेफा पर हमला हुआ और संसद में बहुत आवाज़ उठी थी कि who were the guilty men of 1962 war. हिन्दुस्तान की संसद में और हिन्दुस्तान की मिलिट्री, इंटेलिजेन्स, रॉ और सरकार की सब एजेन्सियां फेल हो गईं फिर क्यों हम सब इस मुद्दे पर विचार करने को तैयार नहीं हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि जो परिवार इस बात का इंतज़ार कर रहे हैं उनको हम कुछ तसल्ली दे पाएंगे। फरीदाबाद की एक खबर छपी है कि जिन परिवारों ने शहादतें दी हैं, उन शहीदों के परिवारों की चिन्ता नहीं की जा रही है जिनकी लाशें हमने हिन्दुस्तान के टेलिविज़न में पत्रकारों की मेहरबानी से डिब्बों में बंद देखीं। इसलिए दोबारा आपके ज़रिये मैं विनती करना चाहता हूं और सारे सदन की इस मुद्दे पर सहमति है कि कारगिल समीक्षा रिपोर्ट पर बहस हो ताकि पूर्ण रूप से हम उनको श्रद्धांजलि दे सकें जिन्होंने राट्रीय सुरक्षा और देश के लिए कुर्बानी दी है।

MR. CHAIRMAN :The House stands adjourned to meet again at 2.40 p.m.

14.08 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till forty minutes

past Fourteen of the Clock.

_____